प्रकाशन तिथि : 15 फरवरी, 2023
प्रेषण तिथि : 19 फरवरी, 2023

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 26 | अंक 23 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

अभावों की नींव पर खड़ी होती है महानता: संरक्षक श्री

(विभिन्न स्थानों पर मनाई पूज्य श्री तनसिंह जी की जयंती)

पूज्य तनसिंह जी ने 99 वर्ष पहले जैसलमेर से 70 किलोमीटर दूर स्थित बेरसियाला गांव में अपने ननिहाल में मां सा मोती कंवर जी की कोख से जन्म लिया। बाड़मेर रियासत के एक छोटे से गांव रामदेरिया के ठाकुर बलवंत सिंह जी के वह पुत्र थे। छोटी आयु में ही तनसिंह जी के पिताजी का निधन हो गया था और उनका बचपन अभावों में गुजरा। लेकिन अभावों में जिनके जीवन की नींव पड़ती है वे ही महान लोग बनते हैं। पूज्य तनसिंह जी ने जीवन बहुत लंबा नहीं पाया। 55-56 साल की उम्र में इस संसार को त्याग कर चले गए। लेकिन पीछे इस प्रकार की परंपरा छोड़ गए, ऐसा बीज डाल गए समाज की धरती में जो अंकुरित होकर वटवृक्ष बन सके। गीता के अनुसार बीज का कभी नाश नहीं होता, आरंभ का कभी नाश नहीं होता और इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ उनकी उस तपस्या के बीज के कारण चलता रहा। बीच में कई व्यवधान भी आए, कुछ लोगों ने विरोध भी किया और कुछ लोगों ने सहयोग भी किया लेकिन उनका प्रारंभ किया हुआ काम निरंतर चल रहा है और बढ़ रहा है। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने बीकानेर जिले के श्री डूंगरगढ़ स्थित रघुकुल राजपूत छात्रावास परिसर में 28 जनवरी को आयोजित पूज्य श्री तनसिंह जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पूज्य तनसिंह जी अपने पीछे जो विरासत छोड़कर गए हैं, वह न केवल राजपूत जाति के लिए, न केवल राजस्थान के लिए, न केवल हिंदुओं के लिए, न केवल भारतवर्ष के लिए, बल्कि समस्त मानवता और प्राणीमात्र के काम आने वाली है और इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ बार बार मेले लगाता है ताकि उस विरासत को बिखरने से बचा सके। हम बिखरते हैं अपने स्वार्थों के कारण, मोह और ममता के कारण। ये जहां हावी हो जाते हैं तो बड़े-बड़े घर टूट जाते हैं, भाई भाई का दुश्मन हो जाता है, गांव गांव का दुश्मन हो जाता है, राष्ट्र राष्ट्र का दुश्मन हो जाता है। उन सब को एक कैसे किया जाए उसका एकमात्र उपाय जो पूज्य तनसिंह जी को दिखाई दिया वह था - एक बनो नेक बनो।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

धीरज सिंह ठाकुर बने मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

धीरज सिंह ठाकुर मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुए हैं। पीवी संजय कुमार की भारत के सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नति के फलस्वरुप रिक्त हुए पद पर आप की नियुक्ति हुई है। धीरज सिंह जम्मू कश्मीर के पोगल रामबन के मूल निवासी हैं एवं जम्मू कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश रह चुके हैं। जून 2022 से मुंबई उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे धीरज सिंह ठाकुर भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश तीर्थ सिंह ठाकुर के छोटे भाई हैं। इनके पिता देवीदास ठाकुर भी जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रह चुके हैं और जम्मू-कश्मीर सरकार में वित्त मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

श्रद्धेय बाईराज कंवर का देहावसान

पूज्य श्री तनसिंह जी की धर्मपत्नी बाईराज कंवर सोढ़ी जी का देहावसान 4 फरवरी 2023 को हो गया। वर्तमान पाकिस्तान के थारपारकर जिले में स्थित खेत सिंह का कड़िया (छोल) के ठाकुर राण सिंह जी सोढा की पुत्री बाईराज कंवर का विवाह पूज्य तनसिंह जी के साथ 26 जून 1947 को हुआ। आपके दो पुत्र पृथ्वी सिंह जी व देवी सिंह जी और दो पुत्रियां श्रीमती बालू कंवर और श्रीमती जागृति कंवर हैं। आपने अंतिम श्वास सिवाना में ली एवं दाह संस्कार 5 फरवरी को बाड़मेर में हुआ। आपके देहत्याग की सूचना पर माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर, माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी एवं माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास सहित सैकड़ों स्वयंसेवक अंतिम प्रणाम करने सिवाना व बाड़मेर पहुंचे। बाड़मेर के सभी जाति वर्गों के गणमान्य लोग, सभी राजनीतिक दलों के राजनेता, प्रशासनिक अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में बाड़मेर के आमजन भी पूज्य बाईराज कंवर जी को अंतिम विदाई देने उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए। श्रद्धेय बाईराज कंवर ने पूज्य तनसिंह जी की अर्धांगिनी के रूप में जिस तरह पूज्य श्री के कर्त्तव्य पालन में सहयोग को ही अपना कर्त्तव्य बनाकर निराग्रही और त्यागी जीवन जिया, वह हम सभी के लिए प्रेरणास्पद और स्तुत्य है।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

पूज्य हरिसिंह जी बापू को दी श्रद्धांजलि

गुजरात में श्री क्षत्रिय युवक संघ को लाने और विस्तारित करने में अग्रणी सहयोगी रहे पूज्य हरि सिंह जी बापू गढुला की पुण्यतिथि पर 2 फरवरी को गोहिलवाड़ संभाग के मोरचंद प्रांत की अवाणिया शाखा में कार्यक्रम आयोजित करके श्रद्धांजलि दी गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची ने हरी सिंह जी बापू का जीवन परिचय बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेकर कार्य करने की बात कही और कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ के मार्ग पर चलना ही बापू के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। वरिष्ठ स्वयंसेवक बलवंत सिंह पांची ने पूज्य हरिसिंह जी के जीवन की सादगी, समर्पण, निष्ठा, उत्साह और समाज के प्रति उनकी अपार पीड़ा को स्मरण करते हुए कहा कि उन्हीं के कारण गुजरात में संघ का पदार्पण हुआ।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह जादौन बने असम के पुलिस महानिदेशक

1991 बैच के असम मेघालय कैडर के आईपीएस अधिकारी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह जादौन को असम का नया पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले की छर्रा तहसील के मूल निवासी ज्ञानेंद्र सिंह इससे पहले एनआईए में आईजी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) का भी हिस्सा रह चुके हैं। 2019 से वे असम के अतिरिक्त महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) के रूप में तैनात थे। आप की पुत्री ऐश्वर्या सिंह भी 2020 बैच की आईएएस अधिकारी है।

अभावों की नींव पर खड़ी होती है महानता: संरक्षक श्री

बूठ

(पेज एक से लगातार)

एक बनने का नारा तो सब देते हैं लेकिन नेक नहीं हुए तो एक होकर भी हम कुछ कर नहीं पाएंगे। संरक्षक श्री ने बताया कि चौपासनी में अध्ययन काल में ही समाज के लिए तनसिंह जी का चिंतन प्रारंभ हो गया था। पत्र-पत्रिकाओं में छोटे-छोटे लेख लिखा करते थे। धनाभाव के कारण स्वयं ने हस्तलिखित पत्र-पत्रिकाएं निकाली। उनको समाज के लिए चिंतनशील ऐसे ही साथी भी मिले। नव निर्माण में बहुत लोगों का हाथ होता है। उसी दौरान आयुवान सिंह जी हुडील से भी उनका पत्र व्यवहार प्रारंभ हुआ। आगे के अध्ययन के लिए वे पिलानी गए। वहां भी समाज के लिए उनका चिंतन चलता रहा। दिवाली के दिन जब सब ओर दीपक जल रहे थे, तब वे हॉस्टल की मुंडेर पर बैठकर विचार कर रहे थे - इन दीयों से क्या संसार का अंधकार मिट सकेगा? थोड़ी देर में ये तो बुझ जाएंगे। तब इस विचार ने, इस पीड़ा ने 1944 की दीपावली के दिन श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में गर्भ धारण किया। अभी जन्म नहीं हुआ था। दो वर्ष तक उस पर मंथन करने के बाद यह बात भी समझ में आई कि यह तो अन्य संस्थाओं की भांति ही हम काम कर रहे हैं। इससे तो काम नहीं चलेगा। इसलिए 22 दिसंबर 1946 को वर्तमान स्वरूप में श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की और उसके 3 दिन बाद जयपुर में ही प्रथम सात दिवसीय शिविर लगा। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि 21 दिन का पहला ओटीसी शिविर बीकानेर में लगा था। कम लोग थे, हमउम्र थे, कड़ा अनुशासन था, लेकिन एक भी बच्चा वापस नहीं गया क्योंकि उनको जो खुराक मिल रही थी, वह कड़वी जरूर थी लेकिन स्वास्थ्यवर्धक थी। वह मेरे काम की है, मेरे समाज के काम की है, मेरे राष्ट्र के काम की है, इस विचार के साथ लोगों ने वह शिविर किया। इसके

गनोड़ा

भीलवाड़ा

पश्चात पूज्य तनसिंह जी ने काम का बंटवारा कर के विभिन्न स्थानों पर शिविर लगवाए, शाखाएं शुरू करवाई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ स्वयंसेवक भरत सिंह सेरूणा ने कहा कि पूज्य तनसिंह जी अपने साहित्य और श्री क्षत्रिय युवक संघ के माध्यम से आज भी पूरे समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उनके बताए मार्ग पर चलने में ही हम सबका कल्याण हैं। क्षत्रिय सभा अध्यक्ष छैलू सिंह पुंदलसर, रणवीर सिंह खींची, विक्रम सिंह शेखावत सहित तहसील के अनेक गांवों से समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बीकानेर संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। 28 जनवरी को ही चुरू जिले में रतनगढ़ क्षेत्र के पायली गांव में स्थित श्री ओम बन्ना धाम परिसर में भी पूज्य श्री तनसिंह जी की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। माननीय संरक्षक श्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि साधना रूपी अमृत को जिसने भी पिया उसके लिए विष भी अमृत बन गया। भगवान ने हमें मनुष्य बना कर किसी विशेष उद्देश्य के लिए भेजा है। उस उद्देश्य के अनुसार जीवन जिएंगे तो हम महापुरुष बन सकते हैं। लेकिन यदि हम भगवान द्वारा सौंपा हुआ कार्य नहीं करते हैं तो उसकी कृपा भी हमें प्राप्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि धन, संपदा, परिवार आदि सब माया के ही रूप हैं और जो माया में फंस जाता है वह ईश्वर तक नहीं पहुंच पाता। इसलिए प्रह्लाद, ध्रुव आदि की भांति दृढ़ निश्चय के साथ अपने उद्देश्य की ओर बढ़ते रहें। वरिष्ठ स्वयंसेवक सुमेर सिंह, रतनगढ़ विधायक अभिनेश महर्षी, किशन सिंह गौरीसर, बीकानेर संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर, राजेंद्र सिंह आलसर आदि सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

29 जनवरी को केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति जयपुर में भी पूज्य तनसिंह की जयंती के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने कहा कि आज हम उस महामानव को याद करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिसने इस सदी में हमें एक ऐसी परंपरा दी, ऐसा मार्ग दिया जिस मार्ग पर पुरातन काल से चलते हुए हमारे पूर्वजों ने इस समाज को एक ऐसी ऊंचाई पर पहुंचाया, जहां आज तक कोई नहीं पहुंच पाया। चाहे वीरता का क्षेत्र हो, चाहे आध्यात्मिकता का हो, शौर्य का हो, भक्ति का हो, वीरता का हो, हर क्षेत्र में हमने एक सीमा बांधी जिसे कोई पार नहीं कर सका। इस गौरवशाली इतिहास का जब हम अध्ययन करते हैं तो हम अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हैं कि हमारी कौम में इस प्रकार के महापुरुष आए, जिन्होंने समय-समय पर कौम और संसार को मार्ग बताने का काम किया। स्वयं भगवान ने भी इस महान परंपरा एवं कौम में जन्म लिया है वो चाहे भगवान राम के रूप में हो, कृष्ण के रूप में हो, महावीर के रूप में हो या भगवान बुद्ध के रूप में हो। ऐसे ही आजादी से ठीक कुछ समय पूर्व हमारी कौम किंकर्तव्यविमुढता को प्राप्त हो गई थी कि उसे किस दिशा में जाना है।

जायली

हमारा परंपरागत नेतृत्व भी दिशा देने मे असहाय एवं निर्बल दिखाई पड़ रहा था। ऐसे में एक युगपुरुष का जन्म हुआ जिसको बचपन में तणेराज कहा गया। वही तणेराज तन सिंह जी के रूप में आज हमारे लिए पूजनीय और आदरणीय बन गए, क्योंकि उन्होंने वही पुरातन मार्ग हमें वापस बताया जो इस संसार को, समाज को दिशा-दर्शन दे सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महापुरुष के जीवन में संघर्ष रहता है, सुविधाएं नहीं मिलती। उन्हें जीवन भर संघर्ष झेलना पड़ता है। जो उस संघर्षमय तपस्या में तपकर शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक रूप से मजबूत बनते हैं, वही संसार को दिशा दे सकता है, समाज को मार्ग बता सकता है। पूज्य तनसिंह जी ने भी ऐसा ही तपस्वी जीवन जिया और हमें श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में समाज की सेवा करते हुए परम लक्ष्य प्राप्त करने का सरलतम मार्ग उपलब्ध कराया। कार्यक्रम के दौरान माननीय संरक्षक श्री के सानिध्य में प्राप्त हुआ। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से विभूषित लक्ष्मण सिंह को माननीय संरक्षक श्री ने संघ साहित्य एवं यथार्थ गीता भेंट की। संभागप्रमुख राजेंद्र सिंह बोबासर सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

श्री भूपाल नोबल्स संस्थान उदयपुर के प्रताप चौक में भी 28 जनवरी को पूज्य श्री की जयंती के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित हुआ। पूज्य श्री के जीवन वृत्त के बारे में मेवाड़-मालवा संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारडा ने बताया कि किस प्रकार बचपन से लेकर जीवन पर्यंत कठिन संघर्ष सहते हुए तनसिंह जी ने हमें सन्मार्ग प्रदान किया। लक्ष्मी कंवर खारडा ने बालिकाओं के शिविर की दिनचर्या एवं शिविर के महत्त्व के बारे में बताया। प्रताप सिंह

जयपुर

तलावदा ने संस्कार निर्माण के लिए रामायण-गीता आदि धार्मिक ग्रन्थों का अध्ययन-मनन करने एवं पूज्य श्री की पुस्तक श्रीगीता और समाज सेवा के अध्ययन की बात कही। कार्यक्रम में पूज्य श्री तनसिंह जी की सुपुत्री बाल कंवर, लक्ष्मी कंवर झाडोल, मीनाक्षी कंवर बेमला सहित मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही। गुमान सिंह दांतडा, कल्याण सिंह विजय मंगरी, भानुप्रताप सिंह झीलवाडा, फतह सिंह जी भटवाडा, हिम्मत सिंह कोलीवाडा, डॉ. कमल सिंह बेमला, गुलाब सिंह जी बिजेरी, स्वरूप सिंह बिजेरी, शिवराज सिंह रूपाहेली, गोविन्द सिंह जेलाई, नवल सिंह सांपनी सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

भंवर सिंह बेमला ने कार्यक्रम का संचालन किया। 28 जनवरी को आसपुर (डूँगरपुर) स्थित सनराईज पब्लिक स्कूल में भी पूज्य श्री की जयंती मनाई गई। तनसिंह जी का जीवन परिचय देवेन्द्र सिंह वाजरड़ा ने दिया एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ की विस्तृत जानकारी गुमान सिंह वालाई ने दी। कार्यक्रम के अंत में टैंक बहादुर सिंह गेहूँवाड़ा ने पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित होने वाली गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में हेमेन्द्र सिंह करेलिया, तेज सिंह अमृतिया, लक्ष्मण सिंह करेलिया, लक्ष्मण सिंह सरमारिया ओड़ा, उज्जवल सिंह इंदौड़ा, नरेंद्र सिंह करेलिया, सवाई सिंह बिजेरी, वदन सिंह गेहूँवाड़ा एवं अन्य स्थानीय बँधु सम्मिलित हुए। 29 जनवरी को बांसवाड़ा में लिटिल एंजल्स स्कुल परिसर गनोड़ा में जयंती मनाई गई। गुमान सिंह वालाई ने पूज्य श्री का जीवन परिचय दिया एवं शंभु सिंह लाम्बापारड़ा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

माननीय संरक्षक श्री का सीकर प्रवास

माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर 28-29 जनवरी को सीकर जिले में प्रवास पर रहे। संरक्षक श्री 28 जनवरी को अपने गांव रोलसाहबसर पधारे तथा परिवार जनों व ग्राम वासियों से मिलकर उनकु कुशल क्षेम जानी एवं वहीं रात्रि विश्राम किया। अगले दिन प्रातः श्री दुर्गा महिला विकास संस्थान नाथावतपुरा में बालिकाओं से मिलकर उनका परिचय लिया एवं छात्रावास की व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। उसके पश्चात संरक्षक श्री के सान्निध्य में सीकर स्थित श्री कल्याण राजपूत छात्रावास में पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संरक्षक श्री ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना शेखावाटी के पिलानी कस्बे में हुई पूज्य तनसिंह जी के मन में अपने छात्र जीवन में यहीं पर रहते हुए इस तरह का संगठन बनाने का विचार आया। समाज की आधी आबादी मातृशक्ति की ओर से भी शेखावाटी की महिलाओं के आग्रह पर ही संघ का कार्य महिलाओं में प्रारंभ हुआ। 1993 में सीकर की धरा पर ही यह विचार आया और कार्य प्रारंभ हुआ। उन्होंने कहा कि मानव जीवन को सार्थक बनाने के लिए बालक और बालिकाओं में

संस्कार निर्माण अनिवार्य है। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ पिछले 75 वर्षों से इस साधना में लगा हुआ है इसी साधना का परिणाम है कि गत वर्ष 22 दिसंबर को जयपुर में आयोजित हीरक जयंती समारोह में श्री क्षत्रिय युवक संघ ने देश-दुनिया को अनुशासन और सामाजिक सौहार्द का बड़ा संदेश दिया। माननीय संरक्षक श्री ने कार्यक्रम में उपस्थित समाज के प्रबुद्ध जनों से बैठकर पूज्य श्री तन सिंह जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान होने वाले कार्यक्रमों में सहयोगी बनने व जन्म शताब्दी पर दिल्ली में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया। शेखावाटी प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दिल्ली और बीकानेर में राजपत्रित अधिकारियों की बैठक संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में 20 नवंबर 2022 को जयपुर में आयोजित राजपूत राजपत्रित अधिकारियों की कार्यशाला में राजपूत अधिकारियों के बीच अंतर्राज्यीय संपर्क, समन्वय एवं सहयोग विकसित करने हेतु नियमित बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। इसी की अनुपालना में 29 जनवरी को दिल्ली में कार्यरत राजपूत अधिकारियों की बैठक रखी गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने बैठक

में उपस्थित अधिकारियों को फाउंडेशन के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए बताया कि हमारी क्षमताएं समाज के व्यापक हित में प्रयुक्त हों, इसी में उनकी सार्थकता है। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन हमें एक साथ पाकर आपसी संवाद व सहयोग को प्रत्साहित कर इसी दिशा में कार्य कर रहा है। 30 जनवरी को फाउंडेशन की बीकानेर जिला टीम द्वारा बीकानेर जिले में कार्यरत अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी अधिकारियों ने निरंतर संवाद की आवश्यकता जताते हुए इस प्रकार की बैठकों के नियमित आयोजन की बात कही।

सेतरावा में मनाई वीर शिरोमणि राव देवराज जी की जयंती

जोधपुर जिले शेरगढ़ क्षेत्र में सेतरावा बावकान तालाब वीरमदेव गढ़ में 7 फरवरी को वीर शिरोमणि देवराज जी राठौड़ की 661वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। परगने के नाथडाऊ गांव द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल ने वीर शिरोमणि राव देवराज के शौर्य को नमन करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। तारातरा महंत प्रताप पुरी महाराज ने क्षात्रधर्म के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि क्षत्रिय के संरक्षण और मार्गदर्शन में ही मनुष्य अपने कर्तव्य पथ पर चल सकता है। पूर्व मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने समाज में संगठन बनाए रखने की बात कही। पूर्व विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने राव वीरमदेव जी के पुत्र देवराज जी का इतिहास बताते हुए कहा कि ऐसे महापुरुषों की

जयंतियां हमें शौर्य, वीरता, त्याग और बलिदान की प्रेरणा देती है। राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री पुष्पेंद्र सिंह बाली ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। देचू के आदर्श विद्यालय के छात्रों द्वारा मलखंब, जिमनास्टिक, लेजियम आदि की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80% अंक प्राप्त करने वाली बालिकाओं तथा 85% अंक प्राप्त करने वाले बालकों, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित व पुरस्कृत भी किया गया। इनके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य करने वाली समाज की प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान गैर नृत्य, घोड़ी नृत्य, पाबूजी की पड़ आदि का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम में हजारों लोगों ने उपस्थित रहकर नागाणाराय व देवराज जी की प्रसादी को ग्रहण किया। अंत में देवराज सभाध्यक्ष मोती सिंह चौरड़िया द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया। अगली जयंती के आयोजन की जिम्मेदारी ढेलाणा गांव को दी गई। उल्लेखनीय है कि राव देवराज जी राठौड़ 14वीं शताब्दी में शेरगढ़ क्षेत्र के लगभग 450 गांवों के शासक थे। सेतरावा उनके शासन का केंद्र था।

महाराणा प्रताप, देवराज राठौड़ और बिकाजी सोलंकी के बनेंगे पैनोरमा

10 फरवरी 2023 को प्रस्तुत किए गए राजस्थान सरकार के 2023-24 के बजट में माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा चावंड उदयपुर में महाराणा प्रताप का पैनोरमा बनाने की घोषणा की गई। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने जोधपुर जिले में शेरगढ़ क्षेत्र के सेतरावा गांव में देवराज जी राठौड़ और देसूरी-पाली में बिका जी सोलंकी का पैनोरमा बनाने की भी घोषणा की। अपनी मातृभूमि और प्रजा के हित के लिए संघर्ष करने वाले इन महापुरुषों के प्रति सम्मान प्रकट करने की यह पहल स्वागत योग्य है।

वाल्मीकि परिवार की कन्या का भरा मायरा

पूर्वजों की परंपरा का अनुसरण करते हुए श्री हनवंत राजपूत छात्रावास, जोधपुर के पूर्व व वर्तमान छात्रों ने पिछले सात दशकों से छात्रावास की सेवा कर रहे वाल्मीकि परिवार की पुत्री के विवाह में मायरा भरकर सामाजिक सौहार्द व सद्भावना का संदेश दिया। छात्रावास के विद्यार्थी अवतार सिंह देदूसर ने बताया कि संतराम की पुत्री के विवाह के अवसर पर छात्रावास कमेटी अध्यक्ष शिवसिंह राठौड़, कोषाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह, पूर्व छात्र रविन्द्र सिंह राणावत, चन्द्रवीरसिंह बड़ला, छात्रसंघ अध्यक्ष अरविंद सिंह अवाय, विरेन्द्रप्रताप सिंह सिसोदिया, डॉ सवाईसिंह सारूंडा, श्रवण सिंह बारु व वर्तमान छात्र लोकेन्द्रसिंह, चेतनसिंह, राजू सिंह, जेठूसिंह इत्यादि ने उपस्थित होकर मायरा भेंटकर व चुनरी ओढ़ाकर रस्म निभाई। सभी ने इसे सामाजिक सद्भावना को प्रोत्साहित करने वाली पहल बताते हुए सराहना की।

सीकर किसान सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन

श्री प्रताप फाउंडेशन द्वारा राजस्थान के विभिन्न जिलों में आयोजित किए जा रहे किसान सम्मेलनों की श्रृंखला में अगला सम्मेलन सीकर के रामलीला मैदान में 26 फरवरी 2023 को आयोजित किया जाएगा। 5 फरवरी को सम्मेलन का पोस्टर विमोचन कार्यक्रम सीकर स्थित राणी महल में आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के शेखावाटी प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि किसान भारतीय समाज का अभिन्न और महवपूर्ण अंग है जिसकी अवहेलना नहीं की जा सकती। इसीलिए संघ अपने आनुषंगिक संगठन श्री प्रताप फाउंडेशन के माध्यम से इस तरह के किसान सम्मेलन आयोजित कर विभिन्न जाति-धर्मों में बंटे किसानों को एक मंच पर लाकर सामाजिक

सद्भावना को बढ़ाने के साथ साथ किसानों की विभिन्न मांगों को राज्य एवं केन्द्र सरकार तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में डॉक्टर खेताराम, प्रेम चौधरी, राम सिंह पिपराली और श्री राजपूत सभा के अध्यक्ष मदन सिंह गोगवास ने भी अपने विचार रखे। पद्मश्री सुंडा राम वर्मा, डॉक्टर खेता राम, प्रेम चौधरी, पप्पू राम मेघवाल सरपंच टाटनवा, ईश्वर सिंह राठौड़, केशर देव लक्ष्मगढ़, रणवीर कसवाली, नरेंद्र बागडोदा, राजेंद्र सिंह मूंडरू, हनुमान सिंह पालवास, मकसूद खान किरडोली, जाट सभा अध्यक्ष रतन सिंह पिलानिया, शेर सिंह खोरी, सज्जन सिंह चिड़ासरा और शंकर लाल नायक आदि के कर कमलों द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर चितरंजन सिंह राठौड़, भंवर सिंह तासर, पुखराज सिंह दुजोद, रतन सिंह जुलियासर, महेंद्र पाल सिंह पालवास, जय सिंह त्रिलोकपुरा, सोहन सिंह बिंजासी, गिरवर सिंह झाझड़, गोरी शंकर दीपपुरा, कान सिंह कटराथल, रतन सिंह छींछास, बृजेंद्र सिंह सांवलोदा, भंवर सिंह नाथावतपुरा, राजवीर सिंह किरडोली, भवानी सिंह घिरडोदा आदि सर्वसमाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र सिंह तंवरा ने किया।

जसवंतपुरा में मनाया राणा नृपाल देव शौर्य दिवस

जालौर जिले में जसवंतपुरा स्थित श्री राणा नृपाल देव राजपूत छात्रावास में 29 जनवरी को राणा नृपाल देव शौर्य दिवस एवं देवल राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राणा नृपाल देव के शौर्य एवं बलिदान को स्मरण करके उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। स्थानीय विधायक नारायण सिंह देवल, मारवाड़ राजपूत सभा जोधपुर के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा, राणा चंद्रवीर सिंह देवल सिणला, सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिम्मत सिंह जाविया, उपखंड अधिकारी राजेंद्र सिंह चांदावत, उप वन संरक्षक देवेंद्र सिंह भाटी, आरएएस अधिकारी बीनू देवल सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

संपादकीय

वर्ण और जाति नहीं, संकुचितता और कट्टरता है बिखराव का कारण

वर्ण और जाति का प्रश्न भारतीय बौद्धिक और सामाजिक विमर्श में बार-बार उभरता रहता है। वर्ण-व्यवस्था प्राचीन काल से हमारी भारतीय सामाजिक-धार्मिक-राजनीतिक संरचना की धुरी रही है और उसी वर्ण व्यवस्था के पूरक के रूप में विकसित जाति-व्यवस्था भारतीय समाज को जीवन के व्यावहारिक क्षेत्रों में स्थायित्व प्रदान करती आई है। इसीलिए भारत और भारतीयता के पक्ष में कोई विचारधारा हो या उनके विरोध में, वे वर्ण और जाति के प्रश्न को अपने विमर्श का विषय बनाने से बच नहीं सकती। विगत कुछ दिनों से देश में पुनः वर्ण और जाति चर्चा का विषय बने हुए हैं। एक ओर आध्यात्मिक दृष्टिकोण से लिखे गए धार्मिक ग्रंथ की कुछ पंक्तियों की असंगत व्याख्या के आधार पर वर्ण और जाति व्यवस्था को अन्याय और शोषण का औजार बताकर कोसा जा रहा है तो दूसरी ओर देश के बहुसंख्यक वर्ग को पंथ, पुजा पद्धतियों, राष्ट्र आदि भावनात्मक शब्दों के नाम पर एक करने के प्रयासों में जाति व्यवस्था को गलती बता कर उसे समाप्त करने की वकालत की जा रही है। वर्ण और जाति को सामाजिक बिखराव और टकराव का कारण बताया जाकर उन्हीं के नाम पर अपने हित साधने की राजनीति भी देश में खूब चल रही है। वहीं विभिन्न समाजों के अपरिपक्व युवा अपनी जाति के प्रति प्रेम को अन्य जातियों के प्रति घृणा के रूप में व्यक्त करते हुए निहित स्वार्थों के लिए समाज को तोड़ने वाली शक्तियों के साधन बन रहे हैं। इन्हीं सबकी पृष्ठभूमि में वर्ण और जाति फिर एक बार चर्चा में हैं।

वास्तव में वर्ण और जाति का प्रश्न इतना जटिल नहीं है, जितना वर्तमान में स्वार्थ, लोलुपता, अहंकार और घृणा के कारण संकुचित हो चुके व्यक्ति के मन-मस्तिष्क ने उसे बना दिया है। जो लोग वर्ण और जाति को समाप्त करने की बात करते हैं, वे वास्तव में इस बात को नहीं समझ पाते कि वर्ण और जाति मनुष्य द्वारा निर्मित कोई व्यवस्था मात्र नहीं है जिसे मनुष्य जब चाहे धारण कर सकता है या छोड़ सकता है। यह बात समझने में थोड़ी कठिन लग सकती है, क्योंकि वर्ण और जाति के रूप में बने हुए समूह, उनके नियम, उनकी मान्यताएं आदि सब मनुष्य निर्मित ही दिखाई पड़ते हैं। किंतु यह केवल बाह्य दृष्टि ही है। गहराई से देखेंगे तो वर्ण की व्यवस्था का उद्गम मनुष्य के स्वभाव की विविधता और समानता में हैं। जिस प्रकार मनुष्य अपने अस्तित्व का कारण स्वयं नहीं है, वैसे ही वह अपने स्वभाव का भी कारण और स्वामी भी वर्तमान स्वरूप में स्वयं नहीं है बल्कि उसकी आत्मा की अनंत यात्रा के विभिन्न पड़ावों में उपजे संस्कार हैं जिन्हें वह जीव रूप में स्वयं के साथ ढोती है और इसीलिए इस स्वभाव जन्य भेद और समानता के आधार पर विकसित वर्ण व्यवस्था को भाषणों और प्रवचनों में अस्वीकार तो किया जा सकता है, अस्तित्वहीन नहीं किया जा सकता। गीता में 'चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः' की बात भी इसी सत्य के आलोक में कही गई है। इसी प्रकार जाति भी रक्त-संबंध के आधार पर पनपे हमारे रागात्मक संबंध और कौटुंबीय भाव का विस्तारित रूप है। यद्यपि जाति और वर्ण की मूल अवधारणा की वैज्ञानिकता और अनिवार्यता पर लंबी चर्चा की जा सकती है किंतु यहां तो यही कहना पर्याप्त होगा कि वर्ण सिद्धांत रूप में अनिवार्य सत्य है, चाहे उसका व्यावहारिक स्वरूप लुप्त हो जाए और जाति व्यवहारिक रूप में अनिवार्य सत्य है, भले ही उसके सैद्धांतिक रूप को कितना ही विकृत करने का प्रयास किया जाए। इसलिए इन्हें समाप्त करने के दावे करना मानव जीवन के प्राकृतिक सत्यों से मुंह मोड़ना ही है और इस संकुचित दृष्टिकोण से मनुष्य का जीवन और अधिक असंतुलित ही होगा। इसलिए आज वास्तविक प्रश्न वर्ण और जाति के अस्तित्व को नष्ट करने अथवा उसे बनाए रखने का नहीं है बल्कि मनुष्य को इस संकुचितता से मुक्त करने का है।

दूसरी ओर, जो वर्ण और जाति को अंतिम सत्य बताकर उसमें ऊंच-नीच का भाव स्थापित करके अपने आपको केवल इसलिए श्रेष्ठ सिद्ध करना चाहते हैं कि किसी विशेष वर्ण और जाति में उनका जन्म हुआ है, वे भी वास्तव में सत्य से उतने ही दूर हैं जितने वर्ण और जाति को नकारने वाले लोग हैं। वे इस बात को नहीं समझते कि वर्ण और जाति की उत्पति का आधार प्राकृतिक स्वभाव की भिन्नता अवश्य है और वह अनिवार्य रूप से सदैव अस्तित्ववान रहेगी लेकिन उस अमूर्त भिन्नता के आधार पर जो मूर्त व्यवस्था खड़ी होती है वह मानवीय व्यवहारों पर ही निर्भर करती है इसलिए उसका स्वरूप अद्यतन होते रहना आवश्यक है। उसमें जो विकृतियां जन्म लेती हैं उनको हटाना भी आवश्यक है और इस व्यवस्था की सर्वाधिक बड़ी विकृत जाति के आधार पर किसी को ऊंचा या नीचा मानना है। बिना श्रेष्ठ कर्मों को किए स्वयं को केवल जन्म के आधार पर श्रेष्ठ घोषित करना मात्र अहंकार है। ऐसी अहंकार जनित कट्टरता केवल सामाजिक बिखराव का ही कारण बनती है और वही जाति व वर्ण के आधार पर हो रहे समस्त बखेड़ों की जड़ है। इसलिए यह समझना आवश्यक है कि हमने किसी महान परंपरा में जन्म लिया है तो यह हमारी वर्तमान के नहीं बल्कि पूर्व जन्मों के संस्कारों का परिणाम है, हमारे पूर्वजों की विशेषता है जिन्होंने उस परंपरा का निर्माण किया है। हमारी विशेषता तो तब होगी जब हम उस परंपरा को और अधिक महान बनाने में सहयोगी बनें। साथ ही यह भी स्पष्ट रूप से समझ लेना आवश्यक है कि हर जाति, वर्ण की अपनी महान परंपरा है जो उनके पूर्वजों ने स्वयं को इस संसार के लिए खपा कर निर्मित की है, अपने त्याग और बलिदान से उसे सींचा है, इसलिए हर जाति की अपनी महान परंपरा है। क्षात्र-परंपरा भी ऐसी ही परंपरा है। यह प्राणीमात्र के कल्याण के लिए बलिदान और त्याग की परंपरा है। इसलिए हम अपने को कट्टरता से मुक्त रखें, यह आवश्यक है।

आज के इस स्वार्थ, लोभ, अहंकार और घृणा के दौर में व्यक्ति इस स्थिति में आ पहुंचा है कि वह अपनी हर समस्या के लिए दूसरों को दोषी ठहरा कर स्वयं के अहंकार को तुष्ट करने का ही प्रयास करता है। इसीलिए अपने भीतर की संकुचितता और कट्टरता को न देखकर वर्ण और जाति के नाम पर आज सभी लड़ने को उद्धत हो रहे हैं। ऐसे में यह समझना बहुत आवश्यक है कि सामाजिक बिखराव को रोकने और सनातन सत्यों की आधारशिला पर खड़ी भारतीयता को पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए हमें सर्वप्रथम इस संकुचितता और कट्टरता के विरुद्ध ही संघर्ष करना होगा और इसकी शुरूआत अपने आप से करनी होगी। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें ऐसा ही मार्ग उपलब्ध करवाता है जिस पर चलते हुए हम अपने भीतर की संकुचितता और कट्टरता से मुक्त होकर जीवन के गहरे सत्यों को जानकर अपने स्वधर्म को पहचान सकें और उसका पालन करते हुए समाज, राष्ट्र, धर्म, संस्कृति और मानवता के हित में जीवन जीकर अपने महान पूर्वजों की महान क्षात्र-परंपरा के सच्चे धारक और वाहक बन सकें।

'छपरा' की घटना के सामाजिक और राष्ट्रीय संदर्भ

बिहार के सारण जिले के छपरा क्षेत्र के मुबारकपुर गांव में 2 फरवरी को घटी एक आपराधिक घटना में गांव की प्रधान के पति और उसके दबंग साथियों द्वारा तीन राजपूत युवकों का अपहरण कर उन्हें निर्ममता पूर्वक पीटा गया जिससे उनमें से एक युवक की वहीं मृत्यु हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हुए जिनमें से भी एक की अस्पताल इलाज के दौरान मृत्यु हो चुकी है। घटना के आरोपी राज्य में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली जाति से संबंध रखते हैं और राज्य के सत्ताधारी दल और स्थानीय विधायक से भी उनकी सांठ-गांठ सामने आई है। इसीलिए चुनावी प्रतिद्वंद्विता और जातीय विद्वेष के कारण अंजाम दी गई इस आपराधिक घटना को मॉब लिंचिंग या आत्मरक्षा में घटी घटना साबित करने के षड्यंत्रकारी प्रयास भी किए गए। इससे स्थानीय राजपूत समाज के साथ ही पूरे देश में इस अन्यायपूर्ण घटना के प्रति रोष बढ़ा और लोगों ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से इसके विरोध में आवाज उठानी प्रारंभ की। स्थानीय प्रशासन का ढुलमुल रवैया भी लोगों के रोष और व्यवस्था की नीयत के प्रति संदेह को बढ़ाने वाला ही सिद्ध हुआ। हत्या के मुख्य आरोपी को प्रशासन द्वारा अभी भी फरार बताया जा रहा है, जबकि उसके द्वारा मीडिया में बयान देते हुए वीडियो भी जारी किए जा रहे हैं। यह सब बिहार में सत्ता के संरक्षण में बढ़ रहे जातिवाद का विकृत रूप तो दिखाता ही है, समाज और राष्ट्र के सामने कई गंभीर प्रश्न भी खड़े करता है।

उक्त घटना के परिप्रेक्ष्य में कई बिंदु हमारे समाज के लिए भी विचारणीय है। सारण राजपूत बहुल जिला है। यहां के स्थानीय सांसद भी राजपूत हैं। फिर भी प्रशासन द्वारा पीड़ितों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अपनाने और अपराधियों को शह देने पर भी समाज के प्रतिनिधि राजनेताओं द्वारा प्रखर तरीके से न्याय की मांग नहीं करना निश्चित रूप से चिंता का विषय है। यह सही है कि किसी घटना के कारण सामाजिक सौहार्द को खतरे में नहीं डालना चाहिए और किसी भी प्रकार की अनर्गल बयानबाजी से जातीय विद्वेष और टकराव को बढ़ावा नहीं देना चाहिए लेकिन सही को सही और गलत को गलत न कह पाने की कायरता से उन आपराधिक और जातिवादी तत्वों को बढ़ावा ही मिलता है जो समाज और देश को कमजोर करने का कार्य करते हैं। एक तरफ जहां आरोपी की जाति के छुटभैये नेता से लेकर राज्य स्तर के नेता तक उनके पक्ष में लामबंद होकर उन्हें बचाने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हमारे राजनेता न्यायपूर्ण और निष्पक्ष जांच के लिए भी खुलकर बोलने में हिचकिचाते रहे। हमारे नेताओं को समझना होगा कि अपनी जाति के प्रति होने वाले अन्याय का प्रतिकार करना जातिवाद नहीं है बल्कि किसी जाति द्वारा अपने राजनैतिक प्रभुत्व का दुरुपयोग करके सजातीय आपराधिक तत्वों को बचाने के लिए लामबंद होना जातिवाद है। दूसरी ओर देखें, तो हमारे युवा समाज के प्रति हो रहे अन्याय पर मुखर हो रहे हैं, ये हमारे बढ़ते सामाजिक भाव का प्रमाण है। प्रारंभ में जब इस घटना पर नेताओं, मीडिया आदि किसी के भी द्वारा हमारा पक्ष नहीं रखा गया और सत्ता के बल पर इस घटना को अन्यायपूर्ण ढंग से दबाने का षड्यंत्र किया गया, लेकिन घटना का वीडियो वायरल होने पर समाज ने उद्वेलित होकर प्रतिक्रिया दी और युवाओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस घटना को देश भर में चर्चा का विषय बना कर नेताओं और प्रशासन पर दबाव बनाया, साथ ही मुख्यधारा के मीडिया में भी इस मुद्दे को स्थान मिला। लेकिन हमारे युवाओं के लिए यह भी विचारणीय है कि समाज के प्रति हमारी भावनाएं किसी भी स्थिति में समाज को तोड़ने की राजनीति करने वाले स्वार्थी तत्वों की साधन न बने। हमारे प्रयास जातिवादी तत्वों द्वारा सत्ता के दुरुपयोग को रोकने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए अवश्य होने चाहिए परंतु जातीय संघर्ष को बढ़ावा देने के किसी भी प्रयास का हमें हिस्सा नहीं बनना चाहिए। हमने हर बार अपनी सभ्य और न्यायप्रिय समाज की पहचान को बनाए रखा है और आगे भी ऐसा ही करना है। इसके अतिरिक्त देश के राजनेताओं, नीति-निमार्ताओं और उनको परदे के पीछे से संचालित करने वालों के लिए भी यह विचारणीय है कि जाति के नाम पर अपनी राजनीति चला कर, जाति-व्यवस्था को समाप्त करने की अव्यावहारिक बातें करने की अपेक्षा यदि वे जातियों के बीच आपसी सौहार्द को बढ़ाने के लिए कार्य करें और प्रशासन व कानून व्यवस्था को अपराध को जातीय दृष्टिकोण की बजाय न्याय के दृष्टिकोण से देखकर कार्यवाही के लिए प्रेरित करें तो इसमें ही समाज और देश का हित होगा। देश की कानूनी एवं प्रशासनिक व्यवस्था जब छपरा जैसी किसी आपराधिक घटना में समयबद्ध और निष्पक्ष न्याय मिलना सुनिश्चित नहीं करती तो वह उस घटना को सामाजिक टकराव और बिखराव का कारण बनाने का कार्य करती है। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

जयपुर, अजमेर-टोंक, सिरोही और जैसलमेर जिला समितियों की वार्षिक बैठकें संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की विभिन्न जिला समितियों के वार्षिक कार्ययोजना बैठकों के आयोजन का क्रम निरंतर जारी है। इसी क्रम में जयपुर जिला समिति की वार्षिक कार्ययोजना बैठक 5 फरवरी को 'संघशक्ति' जयपुर में संपन्न हुई। बैठक में फाउंडेशन की केंद्रीय कार्यसमिति के सदस्य जालम सिंह अग्रोहा, जिला प्रभारी दीपेंद्र सिंह रोजदा एवं रूपेन्द्र सिंह करीरी ने गत 7-8 जनवरी को आयोजित केंद्रीय परिषद की वार्षिक बैठक में बनाई गई कार्ययोजना के तहत जयपुर जिले की कार्ययोजना सामने रखी एवं उसके क्रियान्वयन हेतु चर्चा की गई। साथ ही श्री प्रताप फाउंडेशन के कार्य एवं संघ के संस्थापक पूज्य श्री तन सिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष में जिले में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने पर भी चर्चा की गई। इस दौरान वीरेन्द्र सिंह खिंदास, मनदीप सिंह हुडील, आनंद सिंह बामना, मानवेंद्र सिंह चुवा, गौरव सिंह धंधेऊ, शैलेश सिंह, सुरेन्द्र सिंह सांदलसर, जितेन्द्र सिंह बावड़ी, डॉ. भवानी सिंह, ओंकार सिंह करड़, कुलदीप सिंह गुगड़वार और योगेन्द्र सिंह बामनिया सहित जिले के अन्य सहयोगी भी उपस्थित रहे। इससे पूर्व अजमेर-टोंक जिला समिति की वार्षिक बैठक श्री राजपूत सभा भवन, सरवाड़ में 29 जनवरी को आयोजित हुई। फाउंडेशन के अजमेर-टोंक जिला प्रभारी देशराज सिंह लिसाड़ीया ने आगामी कार्ययोजना से उपस्थित सहयोगियों को अवगत कराया एवं उसके क्रियान्वयन हेतु लक्ष्य निर्धारित किए गए। उसी के अनुरूप सहयोगियों को दायित्व भी सौंपे गए। कार्यक्रम में भगवान सिंह जी देवगांव, नरेन्द्र सिंह डोराई, दीनदयाल सिंह कुक्कड़, गोविंद सिंह देवरिया, भंवर सिंह खिरिया, बलवीर सिंह बांदनवाड़ा, हनुमान सिंह सावर, सत्यवीर सिंह अरवड़, अजयराज सिंह स्यार, संजय सिंह थाड़ोली आदि सहयोगी उपस्थित रहे। इसी दिन सिरोही जिला समिति की वार्षिक बैठक भी महाराव सुरताण क्षत्रिय शिक्षण संस्थान, सिरोही में सम्पन्न हुई। फाउंडेशन के सिरोही जिला प्रभारी दिग्विजय सिंह कोलीवाड़ा सहित सभी उपस्थित सदस्यों ने जिले में गत वर्ष हुए कार्यों की समीक्षा की एवं केंद्रीय परिषद के निर्देशानुसार सिरोही जिले की कार्ययोजना पर चर्चा कर जिले की सभी तहसीलों में आगामी दिनों में कार्यविस्तार बैठकों के आयोजन का निर्णय लिया। बैठक में केंद्रीय परिषद सदस्य अजयपाल सिंह गुड़ा पृथ्वीराज सहित भवानी सिंह भटाणा, मदन सिंह देलदर, देवराज सिंह माँडानी, नटवर सिंह कुआडा, दीपेन्द्र सिंह पीथापुरा, वीर सिंह पुनक, चंद्रवीर सिंह लुणोल, नारायण सिंह वेरापुरा, कृष्णपाल सिंह वडवज, रघुवीर सिंह माँडानी आदि सहयोगी उपस्थित रहे। जैसलमेर जिला समिति की वार्षिक बैठक 28-29 जनवरी को जैसलमेर शहर स्थित संघ के संभागीय कार्यालय 'तनाश्रम' में आयोजित हुई। संघ के संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली की उपस्थिति में संपन्न बैठक में फाउंडेशन के जैसलमेर जिला प्रभारी कमल सिंह भैंसड़ा ने जिले में गत वर्ष फाउंडेशन द्वारा किये गए कार्यों की जानकारी दी व आगामी कार्ययोजना के बारे मे बताया। बैठक में हिंदू सिंह म्याजलार, कंवराज सिंह एडवोकेट लूणा, गोपाल सिंह कुण्डा, कीर्तिपाल सिंह झिनझिनयाली, सुरेंद्र सिंह तेजमालता, नरेंद्र सिंह डाँगरी, मनोहर सिंह तेजमालता, कंवराज सिंह डेलासर, डॉ. मनोहर सिंह भैरवा, ईश्वर सिंह झिनझिनयाली आदि ने उपस्थित रहकर जिले में फाउंडेशन के कार्यों को विस्तार देने के संबंध में चर्चा की।

मोरसीम में माँ आशापुरा मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न

जालौर जिले में बागोड़ा क्षेत्र के मोरसीम नगर में चौहान वंश की कुलदेवी माँ आशापुरा माताजी के मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 30 जनवरी से 3 फरवरी तक संपन्न हुआ। 2 फरवरी को श्री क्षत्रिय युवक संघ के जालौर संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी सहयोगियों सहित मोरसीम पहुंचे तथा मंदिर में दर्शन करके आयोजन समिति को माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर की ओर से 'यथार्थ गीता' पुस्तक भेंट की और समारोह के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी। वहां उपस्थित क्षेत्रवासियों और समाज बंधुओं को संबोधित करते हुए देलदरी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के संबंध में जानकारी दी और पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के बारे में बताते हुए अगले वर्ष दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में पहुंचने का निमंत्रण दिया। आयोजन समिति के अध्यक्ष खीमसिंह चौहान व अन्य कार्यकर्ता इस दौरान उपस्थित रहे। इस पांच दिवसीय समारोह में हवन, जागरण आदि अनेक धार्मिक गतिविधियां हुई एवं लोक-कलाकारों द्वारा धार्मिक भजनों की प्रस्तुति दी गई। जोधपुर के पूर्व महाराजा गजसिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति व बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिष्ठा महोत्सव में सम्मिलित हुए।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलखा हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

ओसियां में राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी बैठक आयोजित

महाराजा गज सिंह शिक्षण संस्थान ओसियां में 26 फरवरी 2023 को आयोजित होने जा रहे राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह - 2023 की पूर्व तैयारी बैठक ओसियां के राजपूत छात्रावास में 11 फरवरी को रखी गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए गोपाल सिंह भलासरिया ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी से मिलकर कार्य करने की बात कही। बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्था, प्रतिभाओं और समाजबंधुओं तक कार्यक्रम की सूचना पहुंचाने के लिए अधिकाधिक प्रचार-प्रसार की योजना पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में भागीदारी के लिए ओसियां, बापिणी, तिंवरी, बावड़ी आदि अलग-अलग स्थानों पर संपर्क हेतु कार्यकताओं को दायित्व सौंपे गए। संस्थान के सचिव पदम सिंह ओसियां ने सभी का आभार व्यक्त किया।

चित्तौड़गढ़ में जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त कार्यक्रमों का आयोजन

पूज्य श्री तनसिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त चित्तौड़गढ़ प्रांत में प्रत्येक रविवार को गांवों में संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला का प्रारंभ 29 जनवरी को खरड़ी बावड़ी और चित्तौड़ी खेड़ा गांव में कार्यक्रम आयोजित करके की गई। खरड़ी बावड़ी में मिट्ठू सिंह, भंवर सिंह, चैन सिंह, श्रवण सिंह तथा चित्तौड़ी खेड़ा में डॉ. भगवत सिंह, सुरेंद्र सिंह, नाहर सिंह, ईश्वर सिंह आदि गणमान्य सामाजबांधु सम्मिलित हुए। इसी प्रकार 5 फरवरी को भटवाड़ा कला में कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां गांव के मिट्ठू सिंह, मंगल सिंह, कालू सिंह, नरेंद्र सिंह एवं शक्ति सिंह बंगला सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रमों में मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही। सभी कार्यक्रमों में संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली और वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे और समाजबंधुओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ और पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में जानकारी दी। जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा द्वारा श्री क्षत्रिय युवक संघ के आनुषंगिक संगठनों और उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। सभी कार्यक्रमों के दौरान सामूहिक यज्ञ का आयोजन भी किया गया। संघशक्ति एवं पथप्रेरक के सदस्य भी बनाए गए। प्रांत प्रमुख दिलीप सिंह रूद, लक्ष्मण सिंह भाटियों का खेड़ा, सूर्यकरण सिंह आकोलागढ़, नरेंद्र सिंह लाखा का खेड़ा, जीवन सिंह नरधारी, लोकेंद्र सिंह रूद आदि कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए।

मुंबई में मातृशक्ति प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

महाराष्ट्र संभाग के मुंबई प्रांत में विरार स्थित जीवदया धाम में मातृशक्ति का तीन दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 3 से 5 फरवरी तक आयोजित हुआ। प्रथम दिन मातृशक्ति का स्वागत करते हुए वरिष्ठ स्वयंसेविका जागृति बा हरदासकाबास में उनसे कहा कि इन तीन दिनों में जो कुछ भी आप यहां पर सीखोगे, वह आपके मन पर उसी प्रकार अंकित हो जाएगा जैसे एक कोरे कागज पर लिखी गई बात अंकित हो जाती है। इसलिए यहां पूरी तरह से जागृत रहकर हर छोटी-छोटी चीज को गहराई से देखने का प्रयास करें, क्योंकि ये छोटी-छोटी बातें ही आपके पूरे जीवन को बदलने का कार्य करेगी। संघ आपके भीतर उतरना चाहता है, उसके लिए अपने आपको खाली करें। शिविर के दौरान ही जागृति बा को उनकी माताजी का देहावसान होने की सूचना पर सिवाना जाने के लिए रवाना होना पड़ा। इसके पश्चात निशा बा लिंबोनी ने शिविर का संचालन किया। शिविर के अंतिम दिन मातृशक्ति को विदाई देते हुए उन्होंने कहा कि हम सब ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के इस शिविर में भाग लिया है, इसका अर्थ है कि हम सब अब संघ परिवार की सदस्य हैं। इस परिवार की गरिमा का ध्यान रखना हमारा कर्तव्य है। इसलिए यहां से जो कुछ भी सीखा है, उन संस्कारों को, उस अनुशासन को अपने जीवन में उतारकर सभी तक संघ का संदेश पहुंचाएं। शिविर में मुंबई, सूरत व पुणे से 111 मातृशक्ति ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सोमसिंह लोहिडी का भारतीय सेना में चयन

बाड़मेर के लोहिडी गांव के निवासी सोमसिंह का भारतीय थल सेना की जोधपुर डिवीजन की भर्ती में राजपूत रेजीमेंट में सैनिक के पद पर अंतिम रूप से चयन हुआ है। सोमसिंह दौड़ में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त कर चुके हैं और निशानेबाजी में भी राज्य स्तर पर की प्रतियोगिता में भाग ले चुके हैं। उन्होंने संघ के पांच प्रशिक्षण शिविरों में भाग लिया है और अपनी सफलता का श्रेय संघ व पूज्य तनसिंह जी की प्रेरणा को देते हैं। उनके बड़े भाई वाग सिंह संघ के स्वयंसेवक है।

विद्या कंवर बानीणा बनी सहायक आचार्य

चित्तौड़गढ़ की गंगरार तहसील के बानीणा गांव की विद्या कंवर पुत्री मूल सिंह प्रतापगढ़ में सहायक आचार्य के पद पर नियुक्त हुई है। विद्या ने राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से 2018 में राजनीति विज्ञान से स्नातकोत्तर करने के पश्चात 2021 में दक्षिण एशिया अध्ययन केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय से एमफिल किया है। वे वर्तमान में दक्षिण एशिया अध्ययन केंद्र से ही पीएचडी भी कर रही हैं। उन्होंने राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक आचार्य (राजनीति) विज्ञान परीक्षा 2022 में राज्य में 24वां स्थान प्राप्त किया था।

करणी सिंह भेलू ने जीते तीन पदक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक करणी सिंह भेलू ने अलवर में 6-7 फरवरी को आयोजित 17वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2023 प्रतियोगिता में तीन पदक जीते हैं। उन्होंने 100 मीटर दौड़ व लम्बी कूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही गोला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया। बीकानेर जिले के भेलू गांव निवासी करणी सिंह श्री क्षत्रिय युवक संघ के नोखा-कोलायत प्रांत प्रमुख हैं।

हरियाणा के विभिन्न गांवों में संपर्क यात्रा का आयोजन

हरियाणा के कैथल, चरखी दादरी और भिवानी जिले के विभिन्न गांवों में संघ-सहयोगियों द्वारा संपर्क करके श्री क्षत्रिय युवक संघ के संबंध में जानकारी दी गई। अरविंद सिंह बालवा, संतोष सिंह लाखलान, हरी सिंह मिठडी और मोहन सिंह नंगथला द्वारा की गई संपर्क यात्रा के प्रथम चरण में 29 जनवरी को कैथल जिले के कलायत गांव में संपर्क किया गया। यहां पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सलिंद्र प्रताप सिंह राणा, रविंद्र सिंह सूर्यवंशी सहित अनेकों समाज बंधुओं से मुलाकात कर संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। कलायत ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध गांव है, यह मढाड़ क्षत्रियों के 360 गांवों के समूह का मुख्य गांव है। गांव में ही महेचा राठौड़ परिवार की सती का स्थल है जिनके पति पानीपत के तीसरे युद्ध में मराठों की ओर से लड़े थे। गांव में महाराणा प्रताप और मिहिर भोज की मूर्तियां भी लगी हुई है। कलायत के पश्चात निकटवर्ती बातां गांव में भी संपर्क किया गया। यात्रा के दूसरे चरण में 5 फरवरी को चरखी दादरी जिले के बोन्द, सांजरवास और भिवानी जिले के खरक गांव में संपर्क किया गया। भिवानी शहर में भी संपर्क किया गया। संपर्क के दौरान निकट भविष्य में क्षेत्र में आयोजित होने वाले संघ के कार्यक्रमों एवं शिविरों के बारे में चर्चा हुई। यशपाल सिंह बोन्द, भारत सिंह बोन्द, वेदपाल सिंह खरक, डॉ. बृजपाल सिंह खरक, कर्मवीर सिंह तिगड़ाना आदि समाजबंधु इस दौरान उपस्थित रहे।

राजपूत शिक्षा कोष के आह्वान पर नशामुक्त विवाह का आयोजन

राजपूत शिक्षा कोष द्वारा शिक्षित व नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए किए जा रहे प्रयासों की कड़ी में शिक्षा नेग की पहल निरंतर आगे बढ़ रही है। 8 फरवरी को संस्थान के आह्वान पर वेलार गांव के परबत सिंह सोलंकी, जो हाल में राजेंद्र नगर पाली में निवासरत हैं, ने अपने पुत्र हेमेंद्र सिंह के विवाह में प्रीतिभोज के अवसर पर संस्थान को शिक्षा नेग के रूप में आर्थिक सहयोग भेंट किया, साथ ही उन्होंने पूरी शादी को शराब, अफीम सहित सभी प्रकार के नशे से पूर्णतः मुक्त रखा। संगठन के संयोजक कान सिंह राणावत ने बताया कि सोलंकी परिवार ने ऐसी पहल करके पूरे समाज को कुरीतियों से मुक्त होने का एक अच्छा संदेश दिया है। डिस्कॉम में लेखा अधिकारी के रूप में कार्यरत परबत सिंह ने स्वयं संस्थान से संपर्क कर आर्थिक सहयोग देने व नशामुक्त विवाह के आयोजन की बात कही। संस्थान की ओर से पूर्व सांसद नारायण सिंह माणकलाव ने शिक्षा नेग को स्वीकार किया और अन्य समाजबंधुओं से भी इस पहल का अनुसरण करने का निवेदन किया। इस अवसर पर राजपूत सभा भवन पाली के अध्यक्ष छोटू सिंह उदावत, लक्ष्मण सिंह गिरवर, भीम सिंह सोवनिया सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी ने संस्थान की पहल और सहयोग देने वाले बंधुओं की भावना की सराहना की।

भीलवाड़ा में महाराणा प्रताप की प्रतिमा की स्थापना का कार्यारंभ

श्री प्रताप युवा शक्ति द्वारा भीलवाड़ा में पिछले वर्ष आयोजित महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर नगर परिषद के सभापति द्वारा शहर स्थित महाराणा प्रताप चौक पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की अष्टधातु की विशालकाय प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की गई थी। अब नगर परिषद द्वारा यह कार्य प्रारंभ भी कर दिया गया है। इस संबंध में 1 फरवरी को श्री प्रताप युवा शक्ति के कार्यकर्ताओं द्वारा नगर परिषद सभापति राकेश पाठक व नगर परिषद आयुक्त दुर्गा कुमारी को महाराणा प्रताप की मूर्ति स्थापना के लिए बजट बढ़ाने हेतु ज्ञापन भी दिया गया। दोनों के द्वारा श्री प्रताप युवा शक्ति की इस मांग को स्वीकार करके बजट बढ़ाया गया और जल्दी ही कार्य पूरा करने का आश्वासन भी दिया गया।

(पृष्ठ दो का शेष) **अभावों की नींव...**

टैंक बहादुर सिंह गेंहूवाड़ा, हनुमन्त सिंह सज्जन सिंह का गड़ा, लाखन सिंह लाम्बापारड़ा, जयगिरिराज सिंह बाँसवाड़ा, श्रवण सिंह बिजेरी, पुष्पेंद्र सिंह पादर, हरी सिंह काकाजी का गड़ा सहित अनेकों समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। 29 जनवरी को भीलवाड़ा में भी पूज्य श्री की जयंती मनाई गई जिसमें संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारडा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बाड़मेर संभाग के गुड़ामालानी प्रांत के मण्डल बूठ में शाखा स्तर पर पूज्य श्री की जयंती मनाई गई। 30 जनवरी को नागौर संभाग में लाडनूं प्रांत के बीदासर मंडल में नवजीवन उच्च माध्यमिक विद्यालय ऊंटालड़ में भी पूज्य श्री तनसिंह जी की जयंती मनाई गई। संस्था के निदेशक श्री जितेन्द्र सिंह आसरासर, महेंद्र सिंह, जयपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह सहित अनेकों समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूज्य श्री तनसिंह जी का जीवन परिचय दिया गया एवं जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी देते हुए अगले वर्ष दिल्ली में होने वाले जन्म शताब्दी समारोह में भाग लेने हेतु सभी को निमंत्रित किया। गुजरात में गोहिलवाड़ संभाग के भावनगर शहर प्रांत में तक्षशिला शाखा (भावनगर) में पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 5 फरवरी को कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें केंद्रीय कार्यकारी महेंद्रसिंह पांची, गोहिलवाड संभाग प्रमुख प्रवीणसिंह धोलेरा, मंगलसिंह धोलेरा, चंद्रसिंह खंढेरा, अजीतसिंह थलसर, जयपालसिंह धोलेरा और यशपालसिंह थलसर आदि उपस्थिति रहे। इसी दिन गोहिलवाड़ संभाग के स्वयंसेवकों की बैठक भी भावनगर में आयोजित हुई जिसमें पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के संबंध में चर्चा हुई। भावनगर में ही राजपूत बोर्डिंग शाखा में भी 1 फरवरी को कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

भलुरी के प्रताप बने मेडिकल ऑफिसर

हाल ही में मेडिकल ऑफिसर भर्ती परीक्षा 2022 का परिणाम

जारी किया गया है, जिसमे बीकानेर जिले के गांव भलुरी (बज्जू) के डॉक्टर प्रतापसिंह सोढा चयनित हुए हैं। प्रताप सिंह ने आरंभिक शिक्षा गांव से ही प्राप्त की। 2021 में एमबीबीएस की शिक्षा डॉ एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर से पूर्ण की। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार एवं गुरुजनों को दिया।

लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत को अति विशिष्ट सेवा मेडल

झुंझुनू जिले की अलसीसर तहसील के निराधनु गांव के निवासी लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं हेतु अति विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। शेखावत वर्तमान में मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री के कर्नल ऑफ द रेजीमेंट के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। आपके पिता करणी सिंह भी सेना में कर्नल रह चुके हैं।

सौर्यमन सिंह शेखावत का एनडीए में चयन

झुंझुनू जिले के निराधनु गांव के निवासी सौर्यमन सिंह शेखावत का एनडीए 150 कोर्स के लिए चयन हुआ है। सौर्यमन श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह निराधनु के पौत्र हैं।

अंकेश भाटी की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में प्रथम रैंक

बाड़मेर जिले के घड़सी गांव की निवासी अंकेश भाटी पुत्री

गणपत सिंह भाटी ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली की पीएचडी प्रवेश परीक्षा - 2022 में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रतिभाशाली छात्रा अंकेश ने इससे पूर्व 2020 में इसी विश्वविद्यालय की हिंदी साहित्य विषय की स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा में भी प्रथम स्थान हासिल किया था। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि से परिजनों एवं ग्रामवासियों को गौरवान्वित किया है।

सुमन चौहान बनी सिविल न्यायाधीश

हरियाणा के गुरुग्राम जिले के बेगमपुर खटोला गांव की सुमन

चौहान पुत्री अरुण चौहान बहादुरगढ़ में सिविल न्यायाधीश नियुक्त हुई है। वे हरियाणा न्यायिक सेवा परीक्षा में चयनित होकर इस पद पर पहुंची है। इससे पूर्व वे फरीदाबाद में एसिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी रह चुकी है। सामान्य किसान परिवार से आने वाली सुमन दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी में गोल्ड मेडलिस्ट रही है।

लक्ष्मण सिंह लापोड़िया को पद्म श्री पुरस्कार

जयपुर जिले के दूदू उपखण्ड के लापोडिया गांव के निवासी लक्ष्मण सिंह को भारत सरकार द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। पिछले 40 वर्षों से जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु उन्हें इस सम्मान के लिए चुना गया है। वे वर्तमान में अपने 'धरती जतन अभियान' के माध्यम से पूरे भारत में वृक्षारोपण करके पर्यावरण को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहे हैं। उनके द्वारा विकसित 'चौका' प्रणाली ने कई गांवों में वर्षा जल के संरक्षण और भूमिगत जल के स्तर के बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। अपने नवाचारों से उन्होंने अपने गांव के साथ ही आस-पास के गांवों के किसानों की आय को बढ़ाने में सहयोग दिया है।

'होनहार के खेल' को किया विद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल

जोधपुर के बालेसर सत्ता स्थित होली मिशन पब्लिक स्कूल द्वारा पूज्य श्री तनसिंह जी द्वारा रचित पुस्तक 'होनहार के खेल' को अनिवार्य अध्ययन के रूप में विद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। यह पुस्तक भारतवर्ष के कई महापुरुषों के जीवन-चरित्र का कथात्मक वर्णन करते हुए संघर्ष, शौर्य, बलिदान और पुरुषार्थ की प्रेरणा देती है। विद्यालय के गोपाल सिंह नाहरसिंहनगर ने बताया कि विद्यालय परिवार का मानना है कि पूज्य श्री तनसिंह जी द्वारा रचित यह पुस्तक छात्रों में वर्तमान में उपलब्ध भटकाव के साधनों यथा फोन, टेलीविजन आदि के उपयोग की अधिकता से आ रही समस्याओं को कम करने में भी सहायक होगी, साथ ही अपने राष्ट्र, धर्म और संस्कृति के प्रति सम्मान को बढ़ाने में भी सहायक होगी।

हेमेन्द्र सिंह सराणा का राज्य में प्रथम स्थान

जालौर जिले के सराणा गांव निवासी हेमेन्द्र सिंह पुत्र गणपत सिंह ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा आयोजित कनिष्ठ अभियंता (कृषि) भर्ती परीक्षा 2022 में राजस्थान राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि पर ग्रामवासियों द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर से वर्ष 2020 में बीटेक करने वाले हेमेंद्र सिंह का ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा 2021 में भी अंतिम चयन हो चुका है।

(पृष्ठ एक का शेष)

श्रद्धेय... उन्होंने पूज्य तनसिंह जी की ही भांति सादगीपूर्ण तरीके से पूरा जीवन जिया। उनकी सादगी इस दृष्टांत से समझी जा सकती हैं कि दो बार के सांसद एवं दो बार के विधायक की पत्नी होते हुए भी वे कभी दिल्ली अथवा जयपुर भी नहीं गई। उन्होंने पूज्य मां सा (तनसिंह जी के माता मोतीकंवर जी) के सख्त अनुशासन में रहते हुए एवं उनकी सेवा करते हुए पारिवारिक दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया एवं पूज्य तनसिंह जी को कभी परिवार की ओर से चिंतित नहीं होना पड़ा। श्रद्धेय बाईराज कंवर जी का जीवन कर्तव्य के मार्ग पर निर्धूम जलने की भारतीय नारी की उसी त्यागमय चारित्रिक विशेषता को प्रकट करता है जिससे भारतीय संस्कृति की कुटुंब व्यवस्था ने प्राणवान होकर एक स्वस्थ और सबल समाज व राष्ट्र का निर्माण किया था। उनकी मौन साधना की पूज्य तनसिंह जी और श्री क्षत्रिय युवक संघ के जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। स्वयं पूज्य तनसिंह जी ने अपनी आत्मकथा में उनके बारे में लिखा है - 'तुम अशिक्षित हो, किंतु तुम्हारी शक्तियां अशिक्षित नहीं। तुम्हारी मंगल कामनायें कार्यक्षेत्र में भाग्य बनकर आती है। तुम्हारी शुभेच्छाओं के कारण मुझे संघातक पराजय का मुंह कभी नहीं देखना पड़ा।' सरलता, त्याग और स्नेह की प्रतिमूर्ति बाईराज कंवर का जीवन हम सभी के लिए कर्तव्य पालन का अनुकरणीय उदाहरण है। पथप्रेरक परिवार आपके त्याग और निष्ठा को नमन करता है।

पूज्य हरिसिंह... गांव के पूर्व सरपंच जसुभा अवाणिया और प्रतिपाल सिंह अवाणिया ने भी पूज्य बापू को शब्दांजलि अर्पित की। मंगल सिंह धोलेरा सहयोगियों एवं ग्रामवासियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

(पृष्ठ चार का शेष)

छपरा की घटना...

यह दुखद स्थिति है कि आज जहां बिहार के छपरा में जातीय तुष्टीकरण के लिए प्रशासनिक व्यवस्था दोषियों को बचाने के लिए प्रयुक्त हो रही है तो कुछ महीने पहले राजस्थान के जालौर जिले के सुराणा में इसी प्रकार जातीय तुष्टीकरण के लिए एक सामान्य घटना को जातीय भेदभाव से जोड़कर पूरे समाज को दोषी सिद्ध करने के प्रयासों को व्यवस्था द्वारा मूकदर्शक बन कर देखा जा रहा था। हमारे देश और राज्यों के नीति-निमार्ताओं और व्यवस्था के धारकों को यह बात समझने की आवश्यकता है कि व्यवस्था को सत्ताधारी और शक्तिशाली के हित में नहीं बल्कि पीड़ित के हित में खड़ा होना चाहिए अन्यथा वह व्यवस्था जन-आक्रोश को पनपाकर अपने स्वयं के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करती है।

जालौर छात्रसंघ अध्यक्ष कालुसिंह टेकरा का निधन

जालौर के वीर वीरमदेव राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष कालूसिंह भाटी टेकरा का 28 जनवरी की रात्रि को एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। समाज के एक ऊजार्वान और संभावनाशील युवा का इस प्रकार से अल्पायु में निधन दुखद है। जालौर शहर से कुछ ही दूर कानिवाड़ा मोड़ पर हुई इस दुर्घटना में करणसिंह कोराणा व भवरानी निवासी कमलेश चौधरी का भी निधन हो गया।

भंवर सिंह बेमला को मातृशोक

श्रीमती रूप कंवर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक भंवर सिंह बेमला की माताजी **श्रीमती रूप कंवर राणावत** धर्मपत्नी स्व. श्री नरवर सिंह जी बेमला का देहावसान 31 जनवरी को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

फतेह सिंह भुरटिया का देहावसान

फतेह सिंह भुरटिया

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **फतेह सिंह भुरटिया** का निधन 7 फरवरी 2023 को हो गया। उन्होंने अपने जीवनकाल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के कुल चार शिविर किए, जिनमें दो उच्च प्रशिक्षण शिविर एवं दो माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर सम्मिलित हैं। 1948 में आयोजित कुचामन उच्च प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारे साथी बंधु

श्री देवीसिंह डाभड़

हाल पुणे के **एलआईसी** में MDRT USA 2023 पुणे डिविजन से मिलियन डॉलर राउंड टेबल **क्वालीफाई** होने पर बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं।

कुलदेवी, गुरुदेव और पूज्य श्री तनसिंह जी की असीम कृपा आप पर ऐसे ही बनी रहे और आप निरंतर प्रगति पथ पर बढ़ते रहें।

शुभेच्छु

रणजीतसिंह चौक	जितेन्द्रसिंह कैलवाद	गोविंदसिंह डाभड़	देवीसिंह झलोड़ा
पवनसिंह बिखरनिया	ज्ञानसिंह पीलवा	मुकेन्द्रसिंह मोकलावास	देवीसिंह भादरिया
ओंकारसिंह पांचोटा	फतेहसिंह चुण्डियावाडा	भवरसिंह शेरगढ़	रुघवीरसिंह बाला
प्रेमसिंह रेडाणा	वागसिंह लोहिड़ी	महावीरसिंह कावतरा	राजूसिंह पिपळून
देवीसिंह सिणेर	शम्भुसिंह सिवाना	गुमानसिंह जैसिंधर	अभयसिंह जैसिंधर
जितेंद्रसिंह हरढाणी	सवाईसिंह चाडार	जसवंतसिंह पाटोदी	जितेन्द्रसिंह खींवसर
प्रवीणसिंह गुडा रामसिंह	रतनसिंह सोढा अमरकोट	रघुनाथसिंह बैण्याकावास	

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org